एक साधारण कुत्ता

मैरी नोवक

एक साधारण कुत्ता

मैरी नोवक
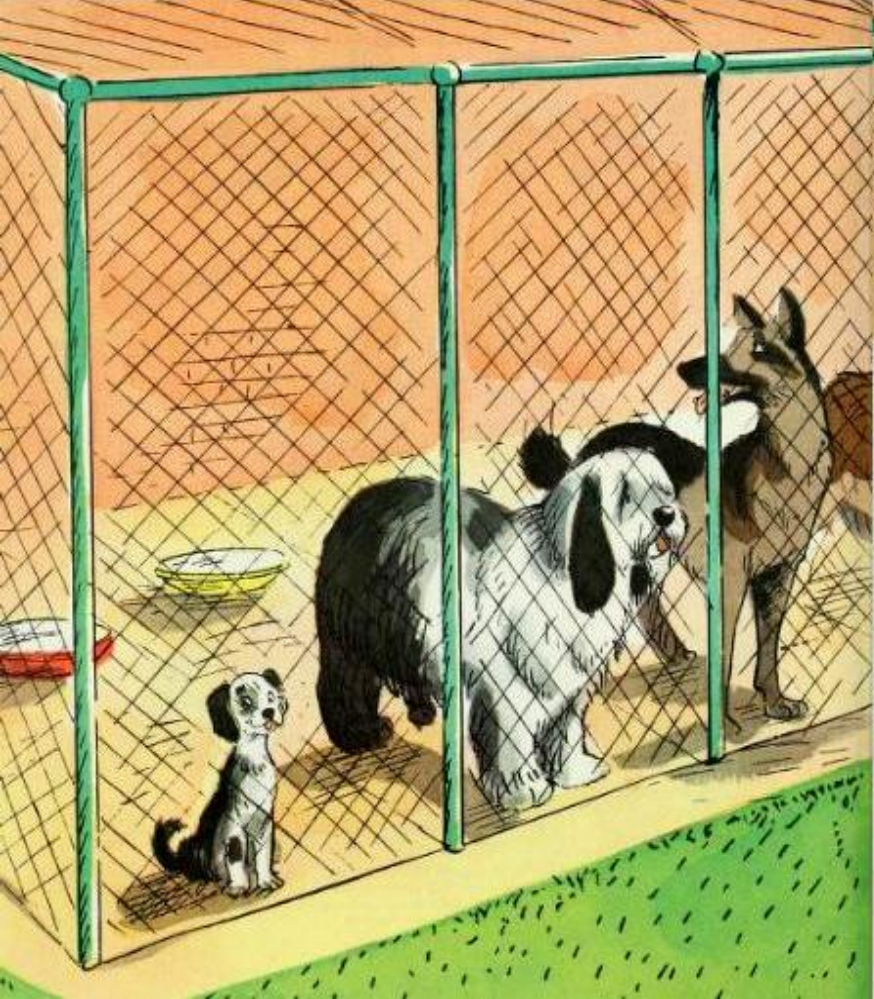
फ्रिस्कर काले और सफेद रंग का छोटा-सा कुत्ता था. अन्य कुत्तों के साथ वह कुत्तों के एक घर में रहता था.

वहां बड़े, ताकतवर कुत्ते थे और ऐसे छोटे कुत्ते भी थे जिन्हें आप गोद में उठा सकें. वहां सीधे बालों वाले कुत्ते थे और घुंघराले बालों वाले कुत्ते थे. वहां काले कुत्ते थे और सफ़ेद कुत्ते थे और भूरे कुत्ते थे. ओह, इतने कुत्ते शायद ही आपने एक जगह देखे हों!

एक दिन एक किसान आया. “ओह, मैं इसके साथ रहना चाहूँगा,” फ्रिस्कर ने सोचा. उसने अपनी पूंछ हिलाई. वह खूब हिला-डुला. किसान का हाथ चाटने के लिए वह कूदा.

हर दिन लोग वहां कुत्तों को देखने आते. हर दिन कोई-न-कोई किसी कुत्ते को चुन कर ले जाता. फ्रिस्कर भी चाहता था कि कोई उसे चुन कर अपने साथ ले जाए. इसलिये जब भी कोई आता वह अच्छा दिखने का प्रयास करता था.

“यह कुत्ता तो खूब दोस्ती कर रहा है,” किसान ने कहा. “लेकिन मुझे तो ताकतवर कुत्ता चाहिये. मैं तो एक बड़ा कुत्ता ही लूंगा.”

रोज़मर्रा के काम में किसान की सहायता करने के लिये एक बड़ा कुत्ता उसके साथ चला गया.
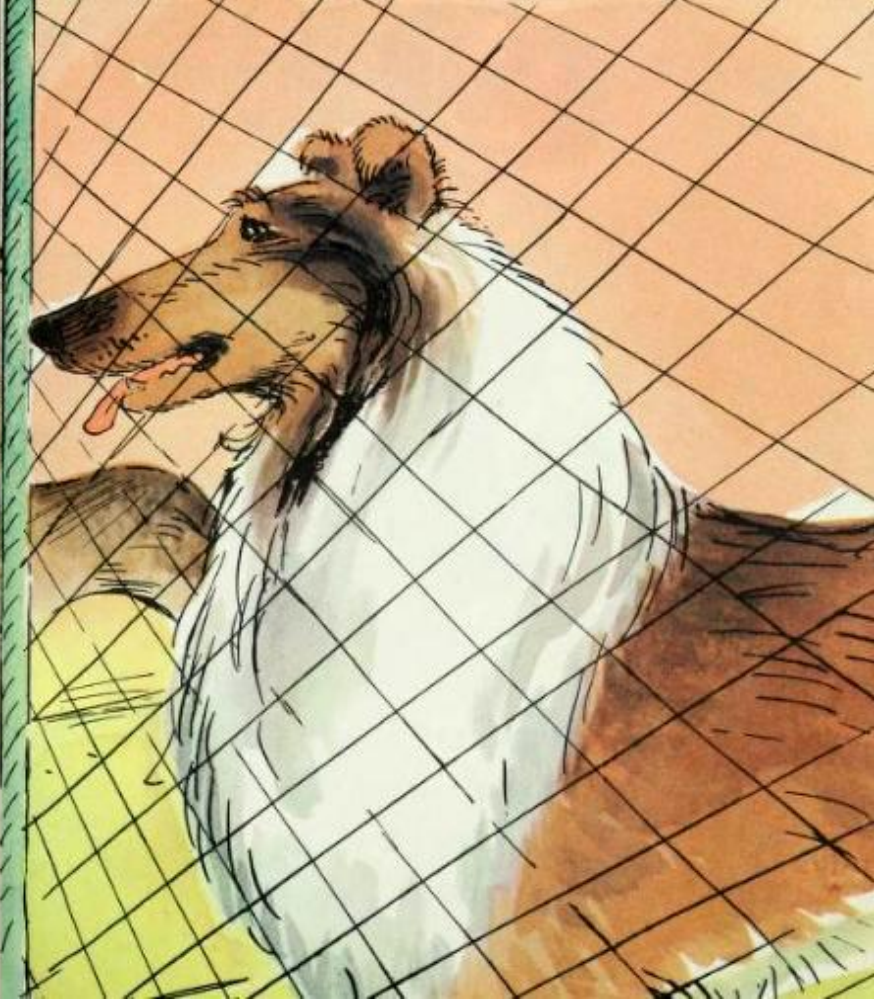
उस बड़े कुत्ते के लिये तो फ्रिस्कर प्रसन्न था, पर अपने लिये वह निराश था. “अगली बार मैं ताकतवर दिखने की कोशिश करूंगा,” फ्रिस्कर ने तय किया.

शीघ्र ही सर्कस का एक जोकर आया. फ्रिस्कर ऐसे बैठा गया जैसे कि वह एक बड़ा कुत्ता हो.

लेकिन जोकर ने कहा, “मैं इस कुत्ते से काम नहीं ले सकता. मुझे तो कोई नटखट कुत्ता चाहिये, जिसे मैं कुछ करतब सिखा सकूँ.” उसने एक टेरियर चुन लिया और वहीं उसे एक करतब सिखा भी दिया.
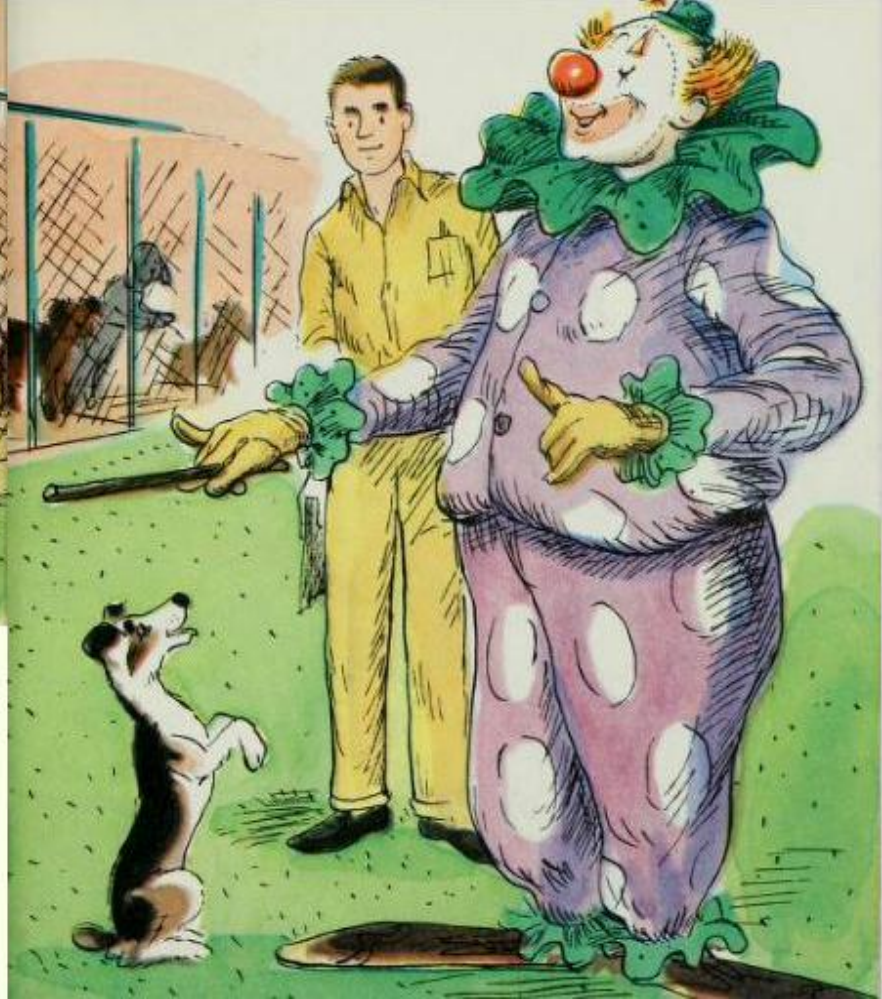
अब फ्रिस्कर को लगा कि वह समझ गया था कि उसे क्या करना होगा. हर दिन उसने करतबों का अभ्यास किया. उसने ज़मीन पर लेट कर मरने का अभिनय करना सीखा.

उसने बैठ कर बोलना सीखा. अब वह बहुत ही चतुर हो गया था!
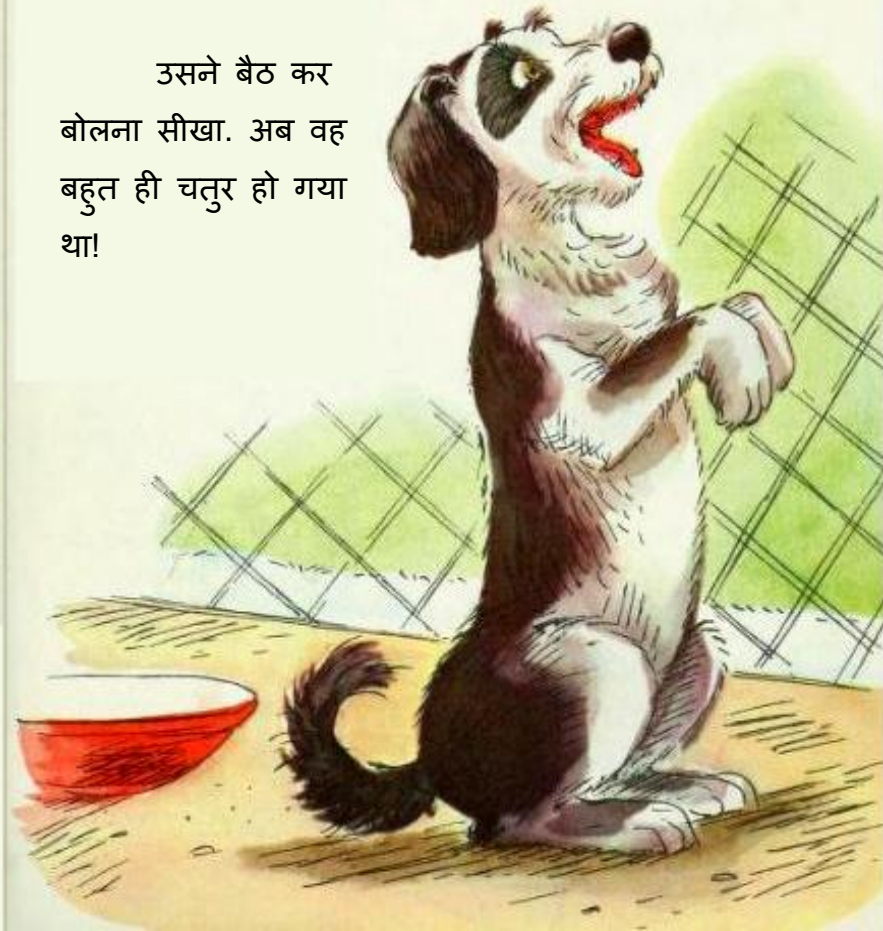
एक दिन एक पुलिस मैन उस कुत्ता-घर में आया. उसने फ्रिस्कर को करतब करते देखा. उसे खूब मज़ा आया और वह खूब हंसा.

“तुम तो बड़े मस्त कुत्ते हो,” उसने कहा. “मैं तुम्हें ले जाना चाहता हूँ, लेकिन मुझे वह कुत्ता चाहिए जो थोड़ा गुस्सैल हो. एक बड़े स्टोर की रखवाली करने के लिये मुझे कुत्ता चाहिये.” उस पुलिस मैन ने एक पुलिस का कुत्ता चुन लिया, जो बहुत ही गुस्सैल था.
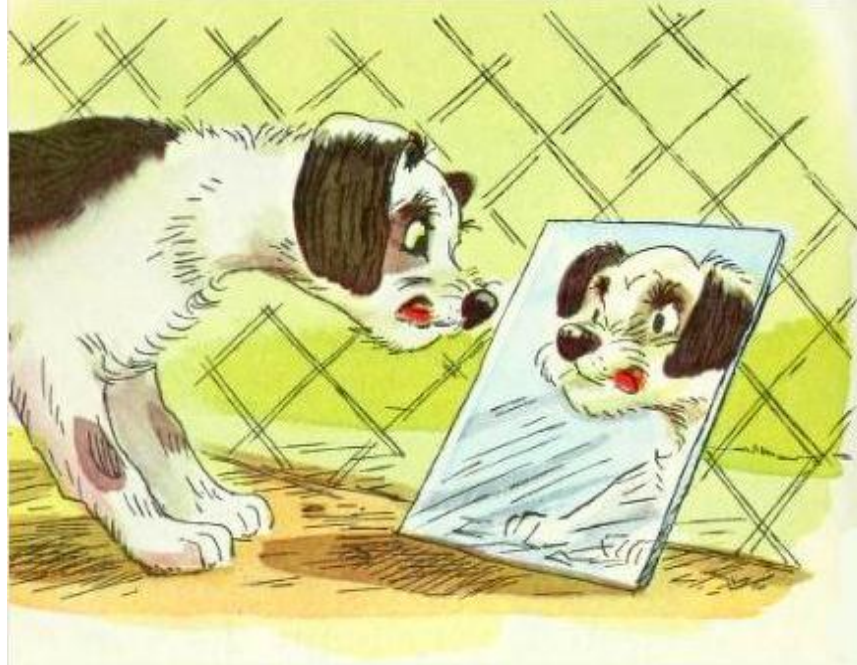
अगले दिन फ्रिस्कर गुस्सैल दिखने का अभ्यास करने लगा. वह गुर्राया. उसने अपने दाँत दिखाये! जब वह ऐसे अभ्यास कर रहा था तब एक महिला उसे देखने के लिये आई.

“हे भगवान, ऐसा कुत्ता मुझे बिल्कुल नहीं चाहिए,” उस महिला ने कहा. “मुझे तो एक सुंदर कुत्ता चाहिए. मुझे वह कुत्ता चाहिये जो कुत्तों की प्रदर्शनी में नीला रिबन जीत पाए.”

उस महिला ने घुंघराले बालों वाला एक फ्रेंच पूडल कुत्ता चुना और उसे घर ले गई. और आप जानते हैं कि क्या हुआ? फ्रेंच पूडल ने कुत्तों की प्रदर्शनी में नीला रिबन जीता, और रजत कप भी!

बेचारा फ्रिस्कर! “कोई मुझे अपने साथ नहीं ले जाएगा,” उसने सोचा. वह बिल्कुल अकेला महसूस कर रहा था.
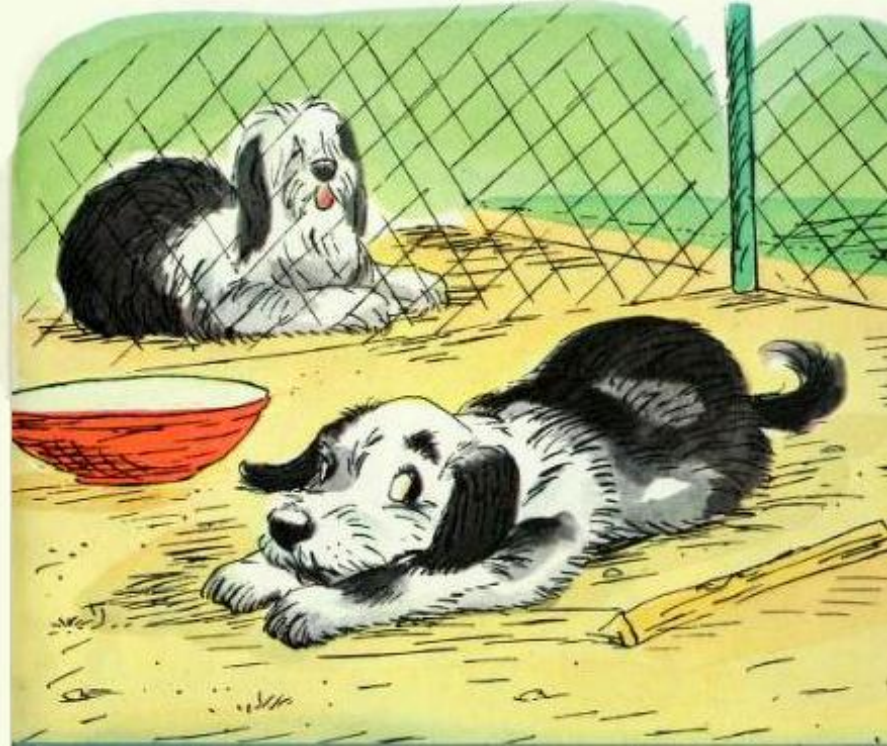
एक दिन एक छोटी लड़की और एक छोटा लड़का कुत्ता-घर में आये. उन्होंने बड़े कुत्तों को देखा,

और छोटे कुत्तों को देखा,

झबरे कुत्तों को देखा,

और शांत कुत्तों को देखा.

फिर उन्होंने फ्रिस्कर को देखा!

उन दोनों को देख कर फ्रिस्कर इतना खुश हुआ कि उछल-कूद करने लगा. अपनी पूंछ हिलाने लगा. उनके चेहरे चाटने के लिए वह कूद पड़ा.

“ओह, यह कुत्ता मुझे पसंद है!” छोटे लड़के ने कहा. और लड़की ने कहा, “इसे अपने साथ घर ले चलते हैं!”

और उन्होंने वैसा ही किया. और उस दिन के बाद फ्रिस्कर हर समय प्रसन्न रहता था क्योंकि........

वह बड़े कुत्ते की तरह काम में सहायता करता था. सुबह होते ही सबको जगाता था, रात में अख़बार लेकर आता था.
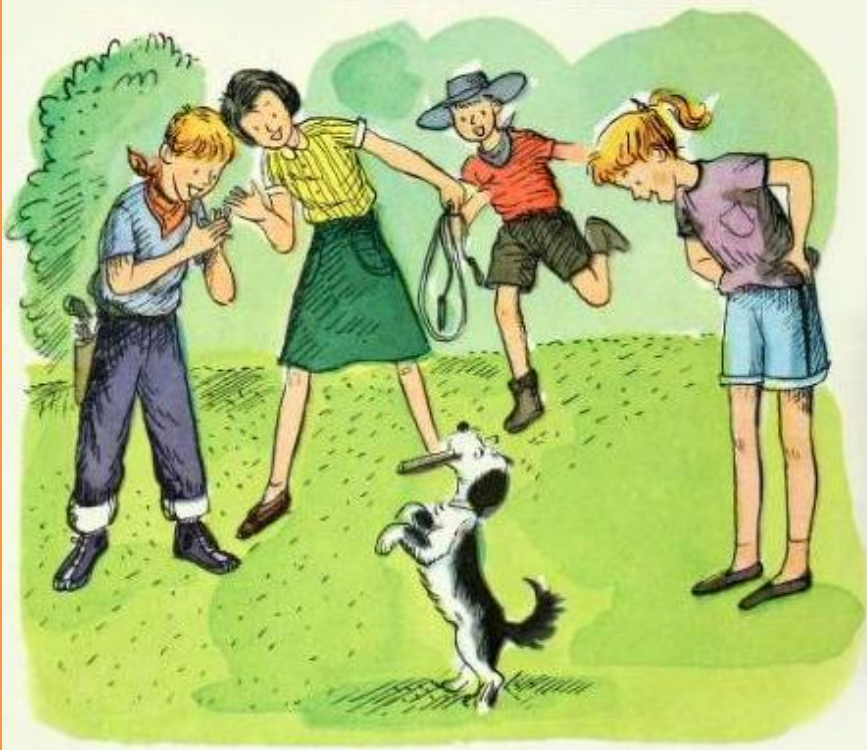
वह सर्कस के कुत्ते जैसा चतुर था और पड़ोस के बच्चों को करतब करके दिखाता था.

वह पुलिस के कुत्ते जैसा बहादुर था और, जब घर के सब लोग सो जाते थे, वह रखवाली करता था.

बेशक, फ्रेंच पूडल की भांति उसने कुत्तों की प्रदर्शनी में कभी भी नीला रिबन या रजत कप न जीता था. लेकिन छोटे लड़के और छोटी लड़की को इस बात की रत्ती भर परवाह नहीं थी. उन्हें फ्रिस्कर बहुत प्रिय था, जैसा वह था बिल्कुल वैसा ही!

समाप्त